



पहला कॉलम

अपहरण किये गए एनआरआई बुजुर्ग की हत्या.. नहर से मिला शव

जालंधर। नकोदर कस्बे के गांव कंग साहबू से 75 वर्षीय मोहिंदर सिंह रविवार शाम अपने घर से निकले थे, जिसके बाद जालंधर नकोदर हाईवे पर दो अज्ञात लोगों ने उनका अपहरण कर लिया था। उक्त करोड़पति एनआरआई की हत्या कर दी गई है व उनका शव मोगा नहर में फेंक दिया गया। इस मामले में थाना सदर नकोदर की पुलिस ने बीएनएस 104 यात्रा अपहरण के केस साथ अब हत्या की धारा भी जोड़ दी है। पुलिस ने दो हत्यारों को हिरासत में भी ले लिया है। पुलिस टीम शव को बरामद करने के लिए मोगा खाना हो गयी है। एनएसपी हरकबलप्रीत सिंह खख ने मामले की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि एनआरआई की हत्या कर शव को नहर में फेंका गया है। पुलिस हत्या के कारण की जांच कर रही है।

जनता पार्टी ने सैमसंग कर्मचारियों की हड़ताल को दिया समर्थन

चेन्नई। जनता पार्टी ने तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर स्थित सैमसंग प्लांट के हड़ताली कर्मचारियों के साथ अपना मजबूती से समर्थन व्यक्त किया है। लगभग 1,100 कर्मचारी बेहतर वेतन और सुरक्षित कार्य वातावरण की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं। ये कर्मचारी सैमसंग के कुल उत्पादन का 30% टीवी, वाशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर निर्माण करते हैं, जिससे कंपनी को 12 बिलियन डॉलर का राजस्व मिलता है। जनता पार्टी ने आज लगभग 100 कर्मचारियों की अवैध गिरफ्तारी, जिनमें प्रमुख के प्रमुख नेता कॉमरेड ई. मुथुकुमार भी शामिल हैं, की कड़वी निंदा की है और इसे कर्मचारियों के लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन बताया है। जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवनीत चतुर्वेदी ने इस मुद्दे पर कहा कि लोकतंत्र में लोगों को विरोध करने का अधिकार है। यह बेहद चिंताजनक है कि डीएमके सरकार अपने नागरिकों की रक्षा करने के बजाय एक बहुराष्ट्रीय कंपनी सैमसंग के इशारे पर काम कर रही है। हम सभी गिरफ्तार कर्मचारियों को तत्काल रिहाई की मांग करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट सीबीआई की रिपोर्ट से संतुष्ट, पश्चिम बंगाल सरकार को लगाई फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या के मामले में फिर से सुनवाई की। इसमें मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से पेश की गई ताना स्थिति रिपोर्ट पर संतुष्टि जताई और उसे जांच के लिए पर्याप्त समय देने की बात कही। इसी तरह कोर्ट ने विकिपीडिया को पीठिता का विवरण हटाने का आदेश दिया। सीबीआई द्वारा पेश की गई स्थिति रिपोर्ट पर कोर्ट ने कहा, सीबीआई क्या जांच कर रही है, इसका आज खुलासा करने से प्रक्रिया खतरे में पड़ जाएगी। सीबीआई ने जो रास्ता अपनाया है वह सच्चाई को उजागर करने वाला है।

शीतकालीन सत्र में पेश हो सकता है विधेयक

एक देश-एक चुनाव को कैबिनेट की मिली मंजूरी-अश्विनी वैष्णव...

नई दिल्ली/ एजेंसी

'एक देश, एक चुनाव' को लेकर उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल के सामने रखी गई। कैबिनेट से इसे मंजूरी भी मिल गई है। कहा जा रहा है कि सरकार आगामी शीतकालीन सत्र में इसे पेश कर सकती है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने लोकसभा चुनावों के एलान से पहले मार्च में यह रिपोर्ट पेश की थी। कैबिनेट के सामने रिपोर्ट पेश करना विधि मंत्रालय के 100 दिवसीय एजेंडे का हिस्सा था। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर कोविंद समिति की रिपोर्ट स्वीकार कर लिया है। कोविंद समिति को एक साथ चुनाव कराने के लिए व्यापक समर्थन मिला है। मंत्रिमंडल ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव को मंजूरी दी है। उन्होंने यह भी कहा कि कोविंद समिति की सिफारिशों पर पूरे भारत में विभिन्न मंचों पर चर्चा की जाएगी। बड़ी संख्या में दलों ने एक साथ चुनाव कराने का समर्थन किया है। हम अगले कुछ महीनों में आम सहमति बनाने का प्रयास करेंगे। उच्च



स्तरीय समिति ने पहले चरण के तौर पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की है। इसके 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाने की बात कही गई है। समिति ने सिफारिशों के क्रियान्वयन पर विचार करने के लिए एक 'कार्यान्वयन समूह' के गठन का भी प्रस्ताव रखा है। समिति के मुताबिक, एक साथ चुनाव कराने से संसधानों की बचत होगी। विकास और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा मिलेगा। लोकतांत्रिक ढांचे की नींव मजबूत होगी। इससे 'इंडिया, जो भारत है' की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद मिलेगी। समिति ने

राज्य चुनाव अधिकारियों के परामर्श से चुनाव आयोग की ओर से एक समान मतदाता सूची और मतदाता पहचान पत्र तैयार करने की भी सिफारिश की थी। पित्तहाल भारत का चुनाव आयोग लोकसभा और विधानसभा चुनावों को ही देखता है। नगर विचार करने के लिए एक 'कार्यान्वयन समूह' के गठन का भी प्रस्ताव रखा है। समिति के मुताबिक, एक साथ चुनाव कराने से संसधानों की बचत होगी। विकास और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा मिलेगा। लोकतांत्रिक ढांचे की नींव मजबूत होगी। इससे 'इंडिया, जो भारत है' की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद मिलेगी। समिति ने

पीएम बोले-लोकतंत्र को अधिक जीवंत करने की दिशा में अहम कदम...

वन नेशन-वन इलेक्शन' के मसौदे को आज मंत्री सरकार की कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को वन नेशन-वन इलेक्शन पर गठित पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी की सिफारिशों पर अपनी मुहर लगा दी। फंसले को मंजूरी मिलने के बाद अब पीएम मोदी की प्रतिक्रिया सामने आई है। पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए कहा कि, कैबिनेट ने एक साथ चुनाव कराने संबंधी उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। मैं इस प्रयास की अगुआई करने और विभिन्न हितधारकों से परामर्श करने के लिए हमारे पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी की सराहना करता हूँ। यह हमारे लोकतंत्र को और भी अधिक जीवंत और सहभागी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि, 'पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत परिवर्तनकारी सुधारों का गवाह बन रहा है। आज, इस दिशा में, केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा एक राष्ट्र, एक चुनाव पर उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार करने के साथ



जल्द ही तय किया जाएगा नया टिकाना अरविंद केजरीवाल एक हफ्ते में खाली करेंगे सरकारी मकान

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अरविंद केजरीवाल ने सरकारी सुविधाएं छोड़ने का निर्णय लिया है। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने बताया कि केजरीवाल एक हफ्ते में सरकारी आवास खाली कर देंगे। संजय सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री के तौर पर केजरीवाल को कई सुविधाएं मिली हुई थीं, उन्होंने इस्तीफा देने के तुरंत बाद सभी सरकारी सुविधाएं छोड़ने का निर्णय लिया। जबकि अन्य नेता सरकारी सुविधाओं से चिपके रहते हैं, केजरीवाल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह आवास खाली करेंगे। उन्होंने आगे बताया कि केजरीवाल की सुरक्षा को लेकर चिंताएं हैं, क्योंकि उन पर हमले भी हुए हैं। सिंह ने कहा, यह घर आवश्यक है, लेकिन केजरीवाल का मानना है कि उनकी रक्षा ईश्वर करेंगे। उन्होंने छह महीने जेल में भी बिताए हैं। संजय सिंह ने यह भी कहा कि अभी यह तय नहीं है कि केजरीवाल कहां रहेंगे, लेकिन जल्द ही कोई ठिकाना निर्धारित किया जाएगा। उन्होंने भाजपा पर



निशाना साधते हुए कहा, भाजपा ने पिछले दो सालों से केजरीवाल को बदनाम करने की कोशिश की है। झूठे मुकदमे लगाए गए और उन्हें भ्रष्टाचार का आरोपी बताया गया। कोई अन्य नेता ऐसा होता तो इस्तीफा नहीं देता, लेकिन अरविंद केजरीवाल ईमानदार हैं। संजय सिंह ने कहा कि केजरीवाल के इस्तीफे से दिल्ली की जनता दुखी और गुस्से में है, और लोग सबाल कर रहे हैं कि उन्हें इस्तीफा क्यों भी देना पड़ा। उन्होंने कहा, अगर केजरीवाल नहीं होते, तो दिल्ली का क्या होता? मुफ्त शिक्षा और इलाज कौन देगा? लोगों को इस पर सोचना होगा।

उपराज्यपाल ने दिया प्रस्ताव

21सितंबर को सीएम पद की शपथ ले सकती हैं आतिशी

नई दिल्ली/ एजेंसी

अरविंद केजरीवाल के इस्तीफा के बाद दिल्ली में आतिशी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की सरकार फिर से बनने जा रही है। मंगलवार को अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल से मुलाकात कर अपना इस्तीफा सौंप दिया था। इसके बाद आतिशी ने सरकार बनाने के लिए अपना दावा पेश किया था। जो खबर आ रही है उसके मुताबिक के दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने राष्ट्रपति तथा गृह मंत्रालय को पत्र भेज दिया है। इस पत्र में 21 सितंबर 2024 को आतिशी को सीएम पद की शपथ दिलाने की तिथि प्रस्तावित की गई है। हालांकि, यह सूत्रों की ओर से मिल रही है। जानकारी के मुताबिक है अब तक आधिकारिक तौर पर यह नहीं बताया गया है कि आतिशी किस दिन शपथ लेंगी। केजरीवाल ने रविवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा की थी उन्होंने तब कहा था कि वह मुख्यमंत्री की कुर्सी पर तभी बैठेंगे, जब जनता उन्हें ईमानदारी का प्रमाणपत्र देगी। आबकारी नीति 'घोटाले' में भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे और पिछले सप्ताह जेल से रिहा हुए आप



पहली कैबिनेट में महिला सम्मान योजना

आम आदमी पार्टी से विधायक दल की नेता चुनी गई आतिशी के नेतृत्व में बन रही दिल्ली सरकार की पहली कैबिनेट में दिल्ली मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना पास हो सकती है। सभाबना जताई जा रही है कि अक्टूबर के पहले सप्ताह नई सरकार की पहली कैबिनेट की बैठक होगी है। इस बैठक में कई विषयों पर चर्चा होगी। इसमें प्रमुखता के साथ दिल्ली मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना पर चर्चा होगी। इस योजना के लिए दिल्ली सरकार ने बजट में दो हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था की है।

सुप्रीमो ने मंगलवार शाम को उपराज्यपाल सक्सेना को अपना इस्तीफा सौंप दिया। आतिशी (43) दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री होंगी। उनसे पहले भाजपा नेता सुषमा स्वराज और कांग्रेस की शोला दीक्षित इस पद पर रह चुकी हैं।

एक साथ निकली छह अर्थिया, एक ही चिता पर किया अंतिम संस्कार.....

देवास। राजस्थान के बूंदी कस्बे में रविवार को तड़के कार और ट्रक को टक्कर में मृत देवास जिले के बेड़ाखाल गांव के छह लोगों के शव लाए गए। यह देख स्वजन रो-रोकर बेसुध हो गए। महिलाओं व बच्चों को संभालना मुश्किल हो रहा था। एक साथ मांगीलाल, राजेश, जगदीश, महेश, पूनमचंद, मदन की अर्थिया उठी तो हर किसी की आंखें नम हो गई थी। गांव धामर की नदी पर नर्मदा के बैंकवाटर के किनारे एक ही चिता में सभी को मुखाग्नि दी गई।



भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने नई दिल्ली के कॉर्नॉट प्लेस में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत स्वच्छता वाहनों के साथ एनडीएमसी स्वच्छता कर्मचारी रैली को हरी झंडी दिखाई।

इसरो तो अब कमाल ही कर देगा गगनयान-चंद्रयान-4 के बाद अगला लक्ष्य वीनस ऑर्बिटर मिशन का इंसान को चांद पर भेजने की कवायद-वैष्णव...

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मंत्रिमंडल ने शुक्र ग्रह की कक्षा संबंधी अभियान, गगनयान व चंद्रयान-4 अभियान के विस्तार को मंजूरी दी। बता दें कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने महत्वाकांक्षी चंद्रयान-4 मिशन के लिए तैयारी कर रहा है, जिसका उद्देश्य चंद्रमा से नमूने वापस लाना है। हालांकि, पिछले मिशनों के विपरीत, चंद्रयान-4 मिशन में कुछ अनोखी चुनौतियाँ हैं। इसमें भारत द्वारा अब तक इस्तेमाल किया गया सबसे शक्तिशाली रॉकेट सिस्टम शामिल



होगा। मिशन में कई लॉन्च शामिल हैं, जिसके बाद मांड्यूल को अंतरिक्ष में इकट्ठा किया जाएगा। भारत के अंतरिक्ष स्टेशन (बीएसएस) को भी कई प्रक्षेपणों के माध्यम से अंतरिक्ष में इकट्ठा किया जाएगा। बीएसएस का पहला खंड वर्तमान एलवीएम3 रॉकेट का उपयोग करके लॉन्च किया जाएगा, जिसका पहला प्रक्षेपण 2028 तक करने का लक्ष्य है। सरकारी मंजूरी के लिए निर्माण, आवश्यक प्रौद्योगिकियों, समर्थन और लागत का विवरण देने वाला एक प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

समीक्षा पूरी हो चुकी है और लागत अनुमान जल्द ही मंजूरी के लिए सरकार को सौंपा जाएगा। वहीं केंद्रीय कैबिनेट के फैसलों पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, चंद्रयान-4 मिशन का विस्तार किया गया है और इसका अगला कदम चंद्रमा पर मानव मिशन भेजना है। इस दिशा में सभी प्रारंभिक चरणों को मंजूरी दे दी गई है। इसके साथ ही वीनस ऑर्बिटर मिशन, गगनयान फॉलो-ऑन और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और अगली पीढ़ी के लॉन्च व्हीकल विकास को भी मंजूरी दी गई है।

गरीबों को सौ गज जमीन

महिलाओं को हर माह दो हजार रुपए देंगे...

चंडीगढ़। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को दिल्ली स्थित एआईसीसी मुख्यालय में हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की गारंटी का एलान किया। इस मौके पर उनके साथ कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, और हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भान भी मौजूद थे। सात वादे, पक्के इरादे के तहत कांग्रेस ने अपने मेनिफेस्टो में सात बड़ी गारंटी

दी हैं। कांग्रेस ने इस गारंटी के तहत राज्य के विकास और जनकल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण वादे किए हैं। खरगे ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आने पर हरियाणा के नागरिकों को बेहतर प्रशासन और जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी राज्य में भ्रष्टाचार मुक्त शासन सुनिश्चित करेगी और किसानों, मजदूरों, युवाओं और महिलाओं के हित में महत्वपूर्ण कदम उठाएगी।

जम्मू कश्मीर पहले चरण का मतदान खत्म

जम्मू कश्मीर में इंद्रवल सीट पर 80 प्रतिशत से ज्यादा वोटिंग

नई दिल्ली/ एजेंसी

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 के पहले चरण के लिए बुधवार शाम को मतदान खत्म हो गया। पहले दौर में सात जिलों की कुल 24 सीटों के लिए वोटिंग हुई। शाम 5 बजे तक यहां करीब 58 फीसदी मतदान दर्ज किया गया है। सबसे ज्यादा 77.23 फीसदी वोटिंग किरतवाड़ जिले में तो सबसे कम पुलवामा जिले में 43.87 फीसदी दर्ज की गई। किरतवाड़ जिले

की इंद्रवल सीट पर 80 प्रतिशत से ज्यादा वोटिंग हुई है। इस चरण में मतदाता 219 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला होगा। पहले दौर में जहां मतदान हुआ, उनमें अनंतनाग की सात, पुलवामा की चार, किरतवाड़, कुलगाम और डोडा की तीन-तीन और रामबन और शोपियां जिले की दो-दो सीटें शामिल हैं। जम्मू कश्मीर में मुख्य मुकाबला भाजपा, कांग्रेस नेशनल कॉन्ग्रेस गठबंधन, पीडीपी के बीच माना जा रहा है। भाजपा ने जम्मू

में जहां सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं वहीं दूसरी ओर कश्मीर में कुछ ही प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। कांग्रेस नेकों के साथ गठबंधन में है और इसने जम्मू क्षेत्र में ही ज्यादातर चेहरे उतारे हैं। महबूबा मुफ्ती की पीडीपी दोनों क्षेत्रों में चुनाव लड़ रही है। इसके अलावा अन्य छोटे दलों ने भी मुकाबले को दिलचस्प बनाने की कोशिश की है। जम्मू-कश्मीर में आज पहले चरण के तहत वोट डाले जा रहे हैं। वहीं,



मतदाताओं की पहचान को लेकर विरोध प्रदर्शन के बाद किरतवाड़ के बागवान मोहल्ले में एक मतदान केंद्र पर मतदान कुछ देर के लिए रोक दिया गया। किरतवाड़ से बीजेपी उम्मीदवार शगुन परिहार ने कहा कि

पीडीपी उम्मीदवार यहां आए और कहा कि यह लड़की पीठिता काई खेल रही है और सहानुभूति पाने की कोशिश कर रही है। मुझे बुरा लगा। मैंने कहा कि मैं विक्रिम काई क्यों खेलूंगी और कहा कि आपमें मुझे विक्रिम बनाया है। उन्होंने मुझे धक्का देने की कोशिश की। पीडीपी और नेशनल कॉन्ग्रेस के कार्यकर्ता उस जगह घुस गए जहां वोटिंग हो रही थी। किरतवाड़ के डीएम राजेश कुमार शवन ने कहा कि यहां लोगों के

बीच कुछ भ्रम था, यहां भीड़ थी, उसे सुलझा लिया गया है। पहचान को लेकर कुछ दिक्कत थी, एक व्यक्ति के पास पहचान पत्र नहीं था। स्थिति सामान्य है, मतदान फिर से शुरू हो गया है। जम्मू-कश्मीर में करीब एक दशक के अंतराल पर हो रहे विधानसभा चुनाव के पहले चरण के तहत बुधवार को चिनाव घाटी में बड़ी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए मतदान केंद्र पहुंचे।

रायगढ़ जिले में 900 से अधिक शहरी परिवारों को मिली खुशियों की चाँबी

आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के जीवन में खुशहाली लाना ही सरकार का लक्ष्य: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अपने जन्म दिन के मौके पर छत्तीसगढ़ राज्य के आवासहीन परिवारों को स्वयं का पक्का मकान बनाने के लिए पहली किश्त की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ऑनलाईन ट्रांसफर की। 'मोर आवास-मोर अधिकार' कार्यक्रम में वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ शहरी क्षेत्र के 900 से अधिक हितग्राहियों को पाँच पखार कर गृह प्रवेश के लिए चाँबी सौंपी। इस मौके पर राज्यसभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह, लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, नेता प्रतिपक्ष नगर निगम पूनम सोलंकी उपस्थित थीं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वचुंअल रूप से जुड़कर आवास निर्माण के लिए चयनित हितग्राहियों को प्रथम किश्त की राशि अंतरित करते हुए हितग्राहियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के जीवन में खुशहाली लाना ही उनकी सरकार का



लक्ष्य रहा है। 10 सालों में हमने इस लक्ष्य को हासिल करने में शानदार सफ़लता अर्जित की है। इस मौके पर 23 हजार से अधिक शहरी परिवारों को उनके निर्मित आवासों की चाबी, आवास का पूर्णता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज महत्वपूर्ण और खुशी का दिन है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन

के अवसर पर यहां आपको गृह प्रवेश करवाने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य के सतत विकास के लिए छत्तीसगढ़ सरकार निरंतर काम कर रही है। शासन आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए पीएम आवास के कार्यों को प्राथमिकता से कर रही है। जिससे बड़ी संख्या में लोगों का पक्का आवास का सपना साकार हो रहा है। उन्होंने शहरी क्षेत्रों के गृह प्रवेश कर रहे

हितग्राहियों को बधाई देते हुए कहा कि हमारी सरकार के लिए आज संतुष्टि का दिन है।

बुजुर्ग महिला हितग्राहियों का पाँच पखार कर सौंपी घर की चाँबी- वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने आज पीएम आवास योजना अंतर्गत रायगढ़ जिले के शहरी इलाकों के 900 से अधिक हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चाँबी प्रदान कर गृह प्रवेश कराया। इस दौरान उन्होंने दो वरिष्ठ महिला हितग्राही धरमजयगढ़ निवासी खिमला राठिया एवं लैंग्रा की सलमा मोमिन के पाँच पखार और उन्हें ससम्मान घर की चाँबी सौंपी। ज्ञात हो कि रायगढ़ शहरी क्षेत्र अंतर्गत 9620 स्वीकृत आवासों में 8133 पूर्ण हो चुके हैं, जिसमें से 900 से अधिक हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया गया। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु स्थायी प्रतीक्षा सूची के 38,796 एवं आवास प्लस के 6305 कुल 45,101 हितग्राहियों का लक्ष्य प्राप्त हुआ

है, जो कि छत्तीसगढ़ के जिलों को प्राप्त सर्वाधिक लक्ष्य में 5 वें स्थान पर है। जिले के 26,255 हितग्राहियों को प्रथम किश्त की राशि जारी की गई है। जिले में विगत एक वर्ष में 12,589 आवास पूर्ण किए गए हैं।

वित्त मंत्री ने दिलाई स्वच्छता की शपथ-

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस दौरान उपस्थित सांसद, जनप्रतिनिधिगण एवं नागरिकों ने साल में 100 घंटे स्वच्छता के लिए समर्पित करने की शपथ ली। गौरतलब है कि निगम प्रशासन द्वारा 17 से 2 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता ही सेवा, संस्कार स्वच्छता, स्वभाव स्वच्छता अभियान शहर में चलाया जाएगा। इस दौरान केलो महा सफाई अभियान सहित प्रति दिवस विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कचरा प्रबंधन कर गांव को स्वच्छ बना रही स्वसहायता समूह की महिलाएं



ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन के साथ जैविक खाद भी बना रहा समूह

रायपुर। बिलासपुर जिले के बिल्हा विकासखंड के ग्राम डोड़की में स्वसहायता समूह की महिलाएं कचरा प्रबंधन कर अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने का कार्य कर रही हैं। कचरा प्रबंधन से जैविक खाद बनाने में समूह की दीर्घाया अहम भूमिका निभा रही हैं। शासन द्वारा दिए जा रहे सहयोग से समूह की महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुधार आया है और वे अपने परिवार की जिम्मेदारियों में बखूबी अपना योगदान दे रही हैं।

ग्राम पंचायत केवांचे की आश्रित ग्राम डोड़की के जय मां अम्बे समूह की महिलाओं ने बताया कि गांव में मनरेगा के तहत एसएलडब्ल्यूएम शोड, नाफेड एवं वर्षा टैंक का निर्माण किया गया है। इन कार्यों के लिए मनरेगा से दस लाख 29 हजार रूपए स्वीकृत हुए थे। शोड के माध्यम से ठोस एवं तरल अपशिष्ट के रूप में निकलने वाले कचरे का प्रबंधन किया जा रहा है। समूह की महिलाएं अपने लिपिहिया वाहन में घर-घर घूमकर कचरा एकत्र कर शोड में लाकर इन कचरों से खाद बना रही हैं। डोड़की के रहवासियों ने

बताया कि ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन शोड के निर्माण से गांव में अस्वच्छता संबंधी समस्याओं का निदान हुआ है। गांव में अब स्वच्छता का माहौल बना रहता है। महिलाओं द्वारा ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य रोज किया जा रहा है। गांव में हर परिवार को नीले एवं हरे रंग का डस्ट-बिन दिया गया है। कचरा संग्रहण के लिए लिपिहिया वाहन खरीदे गए हैं। जय मां अम्बे समूह ने गांव को रोगमुक्त रखने का भी बीड़ा उठाया है। समूह की महिलाएं जन-चौपाल लगाकर गांववालों को मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक जानकारी भी दे रही हैं। कचरा प्रबंधन, अपशिष्ट से तैयार जैविक खाद और ठोस कचरे के रूप में प्राप्त प्लास्टिक की बिक्री से समूह को सालाना 30 हजार से 40 हजार रूपए तक की आमदनी अनुमानित है। समूह की महिलाओं ने बताया कि वे इस कार्य से बहुत खुश हैं। इससे हो रही आय से उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ है। गांव में पहले धर-उधर कचरा फैले होने से गंदगी का वातावरण रहता था और बीमारियों का खतरा बना रहता था। ठोस एवं तरल कचरा खुले में जगह-जगह पड़ा रहता था। लेकिन अब समूह द्वारा कचरे का सही प्रबंधन किया जा रहा है। गांव में पेयजल की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है।

उप पुलिस अधीक्षक ने ली समीक्षा बैठक, विभिन्न बिंदुओं पर हुई चर्चा

रायपुर। रायपुर जिले में वीआईपी और वीवीआईपी की सुरक्षा के लिए तैनात अधिकारियों-कर्मचारियों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक पुलिस ट्रेंजिंट मंस, पुलिस लाइन रायपुर के सभागार में पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रायपुर के निर्देशन में की गई। बैठक की अध्यक्षता उप पुलिस अधीक्षक, लाइन, रायपुर निलेश कुमार द्विवेदी ने की। बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई, जिनमें सुरक्षा खतरे का आकलन, सुरक्षा योजना तैयार करना, और सुरक्षा से संबंधित गोपनीय विषय शामिल थे। विभिन्न सुरक्षा श्रेणी वाले वीआईपी के निवास स्थानों पर तैनात स्टैटिक गार्ड कमांडर से बारी-बारी से औपचारिक पूछताछ की गई और ड्यूटी के दौरान आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की गई।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव ड्यूटी पर बल



को तैनाती- बैठक में यह भी बताया गया कि छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की 04 कंपनियों जम्मू-कश्मीर चुनाव ड्यूटी पर भेजी गई हैं, और चुनाव के बाद इन कंपनियों को वापस बुलाकर वीआईपी सुरक्षा के लिए तैनात किया जाएगा। सुरक्षा मानकों पर विशेष जोर- बैठक में गार्ड कमांडरों को यह निर्देश दिया गया कि जवानों को उचित वर्दी, फयर टास्क, और सुरक्षा मानकों के अनुरूप ड्यूटी निभाने की जानकारी दी जाए। उन्हें स्थानीय पुलिस थानों

के प्रभारी अधिकारियों के संपर्क नंबर रखने और जवानों के अनुशासन को बनाए रखने पर जोर दिया गया। बैठक में उपस्थित कर्मचारियों को उनके शारीरिक और मानसिक फिटनेस बनाए रखने के लिए व्यायाम, हथियारों की देखभाल, और अनुशासन बनाए रखने पर विशेष निर्देश दिए गए। इस बैठक में रक्षित निरीक्षक वैभव मिश्रा, कंपनी कमांडर शरवराज सिन्हा, प्लाटून कमांडर रामराम नरेटी, और लगभग 120 कर्मचारी उपस्थित थे।

स्टार्टअप्स से ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिले : राज्यपाल डेका

रायपुर। राज्यपाल रमन डेका ने स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय दुर्ग अंतर्गत गठित ग्रामीण प्रौद्योगिक और उद्यमिता फंडेशन के तहत किये जा रहे स्टार्टअप्स का प्रस्तुतीकरण देखा। उन्होंने सभी स्टार्टअप्स की सराहना करते हुए इसे आम व्यक्ति के लिए सरल व सुलभ बनाने पर बल दिया।

राज्यपाल डेका ने सभी उद्यमियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न योजनाओं को प्रोत्साहित किया और कहा कि स्टार्टअप्स के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार से जोड़ सके ऐसी योजनाएं बनाई जाएं। इस संबंध में उन्होंने उद्यमियों को मार्गदर्शन और सुझाव दिये।

राज्यपाल के कॉर्रिस हॉल में आज उद्यमियों ने 6 स्टार्टअप्स योजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया। विनिता पटेल ने ग्रामीण महिलाओं विशेषकर आदिवासी समुदाय की महिलाओं को ध्यान में रखते हुए पुनः उपयोग में आ सकने वाले सेनेटरी पैड निर्माण की योजना बताई। करण चंद्राकर ने केले पीछे के अपशिष्ट से



कपड़ा, कप-प्लेट, ईट आदि उत्पादन की योजना बताई। राहुल बघेल ने सौर ऊर्जा के उपयोग से आत्मनिर्भर गांव एवं विभिन्न कुटीर उद्योगों पर प्रस्तुतीकरण दिया। उद्यमी रविन्द्रकुमार धुरंधर ने कुपोषण पीड़ितों के लिए इंस्टैट फूड उत्पाद की योजना पर अपना प्रस्तुतीकरण दिया।

अंकेश बंजारे ने आदिवासी कलाकारों को डिजिटल प्लेटफॉर्म और वैश्विक बाजार उपलब्ध

कराने की योजना बताई तथा पुरुषोत्तम, अजय कुमार, सिद्धार्थ सिंह ने उच्च क्षमता वाले डॉन के माध्यम से कृषि फसलों की निगरानी की योजना के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सहकार भारती (छ.ग.) डॉ. लक्ष्मीकांत द्विवेदी ग्रामीण प्रौद्योगिकी और उद्यमिता फंडेशन के संचालक डॉ. आर. एन. पटेल, सीईओ अग्रशो द्विवेदी तथा उद्यमी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री जनदर्शन 19 को

रायपुर। मुख्यमंत्री निवास में 19 सितंबर को जनदर्शन आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जनदर्शन में लोगों से सीधे स्पर्श होकर उनकी समस्याएं सुनेंगे और उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करेंगे। जनदर्शन का आयोजन सबेरे 11 बजे से 1 बजे तक किया जाएगा।

PMGSY के निर्माणाधीन कार्यों का परीक्षण करेंगे राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक



रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना विकास एजेंसी, नई दिल्ली के निरीक्षण कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के निर्माणाधीन कार्यों में तृतीय स्तर के गुणवत्ता परीक्षण के लिए राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। वे कांकेर, कांडगांव, कोरिया और सूरजपुर जिले का दौरा कर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़कों का परीक्षण करेंगे। संबंधित जिले के राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक से उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क कर प्रगतिरत सड़कों की गुणवत्ता के संबंध में शिकायत साझा की जा सकती है। छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अधिकरण (Chhattisgarh Rural Road Development Agency) के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक नीलमाधव साहू (मोबाइल नंबर 9437111027) सितम्बर माह में कोरिया और सूरजपुर जिले में सड़कों की गुणवत्ता का परीक्षण करेंगे। वहीं राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक अब्दुल माजिद सबनम (मोबाइल नंबर 9419130403 और 7006290384) चालू सितम्बर माह में कांडगांव और कांकेर जिले में सड़कों की गुणवत्ता जांचेंगे।

पूर्व राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन अस्पताल में भर्ती, मिलने पहुंचे सीएम माझी



रायपुर/भुवनेश्वर। छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन की तबीयत मंगलवार को अचानक खराब हो गई। उन्हें इलाज के लिए ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हरिचंदन के बीमार पड़ने की सूचना मिलने पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और अन्य प्रमुख नेता अस्पताल पहुंचे और उनकी स्थिति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री माझी ने अस्पताल में विश्वभूषण हरिचंदन से मुलाकात कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने डॉक्टरों से चर्चा कर हरिचंदन के इलाज के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं को तुरंत मुहैया कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और डॉक्टरों को भी पूर्व राज्यपाल की हरसंभव देखभाल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुलाकात के दौरान, ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन, जो कि विश्वभूषण हरिचंदन के पुत्र हैं, भी मौजूद थे। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भी हरिचंदन की तबीयत बिराड़ने पर चिंतित व्यक्त की और उनके शीघ्र स्वास्थ्य होने की प्रार्थना की है। अस्पताल के डॉक्टरों की एक टीम पूर्व राज्यपाल की सेहत पर लगातार नजर बनाए हुए है और उनका इलाज जारी है।

एमेजॉन ने त्योहारों के लिए अपना लॉजिस्टिक्स नेटवर्क मजबूत किया, 3 नए फुलफिलमेंट सेंटर लॉन्च किए

बेंगलुरु: आगामी त्योहारों की तैयारी में एमेजॉन इंडिया ने आज दिल्ली एनसीआर, गुवाहाटी और पटना में तीन नए फुलफिलमेंट सेंटर लॉन्च करने की घोषणा की। ये नए फुलफिलमेंट सेंटर एमेजॉन के मौजूदा फुलफिलमेंट नेटवर्क के विस्तार के साथ उत्तर और पूर्व भारत में डिलीवरी में तेजी लेकर आएंगे। इस निवेश से इन राज्यों के विक्रेताओं को अपने ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने में मदद मिलेगी क्योंकि उनके उत्पाद ग्राहकों तक ज्यादा तेजी से पहुंच सकेंगे। इससे हजारों नौकरियों के अवसर उत्पन्न होंगे, जिससे क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति मिलेगी। ये नौकरियाँ एमेजॉन के ऑपरेशंस नेटवर्क में विभिन्न भूमिकाओं के लिए होंगी, जिनमें पूर्णकालिक और अंशकालिक नौकरियों के अवसर शामिल हैं। ये फुलफिलमेंट सेंटर तैयार हैं और आगामी त्योहारों से पहले संचालन करना शुरू कर देंगे। इन फुलफिलमेंट सेंटर्स से दिल्ली एनसीआर, बिहार और असम के 2.5 लाख से ज्यादा विक्रेताओं को मदद मिलेगी। एमेजॉन के ऑपरेशंस नेटवर्क के अधिकांश भवनों में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और प्रभावशाली बिल्डिंग प्रणाली है ताकि इनमें बिजली का उपयोग कम से कम हो। इन्हें नेट वॉटर जीरो भवनों के रूप में डिज़ाइन किया गया है, और रेन वॉटर कलेक्शन टैंक्स, रिचार्ज वैल्स द्वारा पानी को एकीकृत, सोल्वे ट्रीटमेंट प्लांट्स आदि में एकत्रित किया जाता है। यहाँ काम करने का समावेशी वातावरण मिलता है। एमेजॉन के फुलफिलमेंट सेंटर्स का डिज़ाइन दिव्यांगों के लिए भी सुविधाजनक बनाया गया है। इस बारे में असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, एमेजॉन इंडिया स्टोरेज और प्रोसेसिंग के लिए असम में अपनी क्षमताएं बढ़ा रहा है, जिससे मेरा मानना है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर और रोजगार की वृद्धि होगी। मुझे उम्मीद है कि इस क्षमता विस्तार से एमेजॉन लाखों स्थानीय रिटेलर्स को लाभ पहुंचाएगा जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था में भी योगदान मिलेगा।

श्वेतांबर दिग्म्बर परम्परा के पर्युषण पर्व के पश्चात पूनम को दादागुरुदेव की पूजा संग क्षमापना

सकल जैन समाज ने 84 लाख जीवायोनियों से की क्षमायाचना

रायपुर। आचार्य जिनमणिप्रथ सूरिश्चर द्वारा प्रतिष्ठित जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में श्वेतांबर दिग्म्बर परम्परा के पर्युषण पर्व पश्चात सकल जैन समाज ने 84 लाख जीवायोनियों से मन वचन काया से क्षमायाचना की व सभी जीवों को क्षमा प्रदान की। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि चारों दादागुरुदेव ने जिनमार्ग में क्षमा को श्रेष्ठ धर्म बताया है। क्षमा मांगना व क्षमा प्रदान करना वीरों का कार्य है और महावीर स्वामी के अनुयायी ही यह कार्य करते हैं।

जैन दादाबाड़ी में सैकड़ों भक्तों की उपस्थिति में दादागुरुदेव का जयकारा लगाते हुए बड़ी पूजा का आगाज स्थापना के मंत्रों के साथ किया स्थापना नारियल चावल एवं द्रव्य के समर्पण मंत्र के साथ की। इसकी जानकारी देते हुए सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के महासचिव महेन्द्र कोचर ने कहा की,



स्थापना के पश्चात, बड़ी पूजा का प्रारंभ संगीतमय चोपाई दोहों के साथ सुप्रसिद्ध भजन गायिका दिशि बैद ने किया। इसी प्रकार बड़ी पूजा के आठ विधान क्रमश

सुप्रसिद्ध गायक वर्धमान चोपड़ा निर्मल पारख, श्रीमती पूनम चोपड़ा द्वारा संगीतमय प्रस्तुतियों व भजनों से लगातार 4 घंटे तक मंदिर व दादाबाड़ी प्रांगण में

भक्ति रस की गंगा प्रवाहित होती रही। यही नही निर्मल पारख के भजन के ये बोल, चांद सा सुंदर चेहरा तेरा नैन है अमृत के प्याले, वो तो कोई और नहीं है वो तो है

मेरे दादा गुरु प्यारे के द्वारा सभी भक्तों को भक्ति के आनंद से सरोबार कर दिया। इस प्रकार अष्ट प्रकारी पूजा क्रमश, जल, चंदन, पुष्प, धूप, दीप, चावल, नेवेध, फल, का दादा गुरुदेव की मूर्ति के सम्मुख समर्पण लाभार्थी परिवारों द्वारा किया गया। तत्पश्चात, वस्त्र पूजा एवम अंतिम विधान ध्वजपूजन में महिलाओं द्वारा सिर में चांदी की 11 ध्वजा को धरकर कलात्मक मार्बल की छतरी की तीन फेरी देकर शिखर पर ध्वजा विराजमान की गई पूजा का समापन आरती एवम मंगल दीपक को साथ संपन्न हुआ। पूजा में प्रमुख रूप से पदम गोलछ, महेन्द्र कोचर, वर्धमान चोपड़ा, निर्मल पारख, प्रवीण चोपड़ा, संतोष झाबक, जयंती लोढा, अशोक कोचर, डॉ योगेश बंगानी, विमल सुराना, ललित लुनिया, प्रेमोद टाटिया, तनय लुनिया, शैला बरडिया, वर्षा सांखला, कीर्तिलोढ़ा, दिशि बैद, पूनम बरमट आदि सैकड़ों भक्त उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

गांव-गांव में चला सामूहिक स्वच्छता अभियान स्वच्छता ही सेवा की ली नागरिकों ने शपथ



जांजगीर। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में स्वच्छता की सेवा के तहत श्रमदान करते हुए साफ-सफाई की गई और स्वच्छता की सेवा की शपथ ली गई। इस दौरान स्वच्छता ही सेवा 2024 की थीम के अंतर्गत सामूहिक स्वच्छता अभियान, सामूहिक श्रमदान का आयोजन किया गया। जिले में 14 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वभाव स्वच्छता एवं संस्कार स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। स्वभाव स्वच्छता एवं संस्कार स्वच्छता कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन क्लस्टर कोर्डिनेटर, ब्लॉक फेलो, सरपंच, सचिव एवं समूह की दीर्घायें (स्वच्छताग्राही) एवं स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं स्वच्छता बनाए रखने के महत्व को बढ़ावा देना है। इसी प्रकार जनपद पंचायत बलौदा महात्मा गांधी नरेगा शाखा में स्वच्छता ही सेवा का शपथ दिलाया गया। पहिरिया में उमंग महिला क्लस्टर द्वारा स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें स्वच्छता रंगोली, स्वच्छता रैली, मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया और पहिरिया बस स्टैंड, मंदिर और चौक चौराहा को साफसफाई किया गया जिसमें क्लस्टर के सभी कैडर सहित आम जनता शामिल हुई।

अस्थाई पटाखा लायसेंस हेतु 20 सितम्बर से 04 अक्टूबर तक लोक सेवा केन्द्र का माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर सकते

जांजगीर। दीपावली पर्व की दृष्टि से अस्थाई पटाखा लाइसेंस हेतु इच्छुक आवेदकों से 20 सितम्बर से 04 अक्टूबर तक लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन विस्पेकट नियम 2008 के तहत निर्धारित प्रारूप-एल ई 05 में आवेदन के साथ स्वयं का 03 पासपोर्ट आकार का कलर फोटो, फोटोयुक्त परिचय पत्र आधार कार्ड जिसमें जिला जांजगीर-चांपा अंकित हो एवं नगर पालिका, नगर पंचायत, ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र नजरी नक्शा अंकित हो के साथ 600 रुपये का चालान (0070-अन्य प्रशासनिक सेवायें, 60-अन्य प्रावियां, 103-विस्पेकट पदायों हेतु) जमा करना अनिवार्य होगा। निर्धारित अवधि के पश्चात विलंब से प्राप्त आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जाएंगे।

तिल मात्र भी परिग्रह नहीं रखना ही दशलक्षण का नवमां धर्म उत्तम आकिंचन्य धर्म है

कोरबा। ज्ञानानंद स्वाभावी आत्मा को छोड़कर किंचित मात्र भी पर पदार्थ तथा पर के लक्ष्य से आत्मा में उत्पन्न होने वाले मोह, राग, द्वेष के भाव आत्मा के नहीं हैं। ऐसा मानना और ज्ञानानंद स्वाभावी आत्मा के आश्रय से उनसे विरत होना, उन्हें छोड़ना ही उच्चतम आकिंचन्य धर्म है। आकिंचन्य सबसे बड़ा धर्म है। जगत में जितनी भी हिंसा, झूठ, चोरी व कुटिल कार्य होते हैं। अथवा परिग्रह प्रवृत्तियां देखी जाती हैं। उन सबके मूल में परिग्रह ही है। परिग्रह सब पापों की जड़ होने से सबसे बड़ा पाप है। आकिंचन्य धर्म को धारण कर सभी प्राणी पूर्ण सुख को प्राप्त करें। महावीर स्वामी ने ऐसा कहकर पवित्र भावना के साथ विराम लिया है। उक्त विचार श्री दिगंबर जैन मंदिर में पर्युषण पर्व के दौरान धर्म के दशलक्षण धर्मों में नवमां धर्म उच्चतम आकिंचन्य धर्म पर जयपुर से पधारे पंडित श्री रोहित शास्त्री जी ने अपने वक्तव्य दिए उन्होंने बताया कि आकिंचन्य और ब्रह्मचर्य को दश धर्मों का सार एवं चतुर्गुणित दुखों से निकलकर मुक्ति में पहुंचा देने वाला महान धर्म है। यह पर पदार्थ और उनके लक्षण से उत्पन्न होने वाले चिद्विकारों को अपना नहीं मानना, नहीं जानना और उनमें लीन नहीं होना, आकिंचन्य है। यदि स्वलीनता ब्रह्मचर्य है, तो पर में एकत्व बुद्धि और लीनता का अभाव आकिंचन्य है। अतरु जिसे अस्ति से ब्रह्मचर्य धर्म कहा जाता है। उसे ही नाशित से आकिंचन्य धर्म कहा जाता है। जिस प्रकार क्षमा का विरोधी क्रोध, मार्दव का विरोधी मान है। उसी प्रकार आकिंचन्य का विरोधी परिग्रह है। परिग्रह 24 प्रकार के होते हैं। जिनका त्याग मुनिराज करते हैं। और उत्तम आकिंचन्य धर्म के धारी होते हैं। आकिंचन्य धर्म, क्रोध, मान, माया, लोभ, हास्य, रति शोक, भय, जुगुप्सा, स्त्रीवेद, पुरुषवेद, नृसंघ वेद, सभी कषायों के अभाव का नाम है।

मुदुभाव होना ही दशलक्षण धर्म का दूसरा लक्षण मार्दव धर्म है

कोरबा। क्षमा के समान मार्दव धर्म भी आत्मा का स्वाभाव है। मार्दव स्वभावी आत्मा के आश्रय से आत्मा में जो मन के अभाव रूप, शांति स्वरूप पर्याय प्रकट होती है। उसे भी मार्दव धर्म कहते हैं। मनुष्य जीवन में यदि हमने अपने आप को साधना में डाल लिया तो जीवन सार्थक एवं उपयोगी बन जाता है। दिगंबर जैन मंदिर में जैन धर्मावलंबियों का पर्याधिराज पर्युषण पर्व बड़े भक्ति भाव के साथ बुधवारी बाजार में मनाया जा रहा है। उक्त विचार श्रमण संस्कृति संस्थान किशनगढ़ जयपुर राजस्थान से पधारे प्रवचनकार श्री रोहित जैन शास्त्री ने पर्युषण पर्व के दूसरे दिन अपने प्रवचन में बताया कि मुदुता अर्थात् कोमलता का नाम मार्दव है। मान कषाय के कारण, आत्म स्वभाव में विद्यमान कोमलता का अभाव हो जाता है और उसमें एक अकड़ उत्पन्न हो जाती है। मान कषाय के कारण मानि अपने को बड़ा और दूसरे को छोटा समझने लगता है। इसमें समुचित विनय का भी अभाव हो जाता है। मान के खातिर वह छल कपट करता है। मान भंग होने पर वह क्रोधित हो उठता है। सम्मान प्राप्ति के लिए वह कुछ भी करने को तैयार रहता है। माधव धर्म में आज में को हटाने का दिन है मान का प्रवचन सरल है। परंतु उसे छोड़ना अत्यंत कठिन है। अहंकार को मृत्यु पर ही सत्य को विजय है।

बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह का गरिमामय हुआ आयोजन

बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल जी का देश की स्वतंत्रता में है अतुलनीय योगदान

- कृषक संगोष्ठी में किसानों को जैविक खेती, नवीन कृषि यंत्रों और तकनीक की दी गई जानकारी
- विधिक संगोष्ठी में नागरिकों को दी गई कानूनी अधिकारों की जानकारी

जांजगीर-चांपा। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं संविधान निर्मात्री सभा के पूर्णकालिक सदस्य बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल जी 68 वीं पुण्य स्मृति में एक दिवसीय स्मृति समारोह का सी-मार्ट परिसर (कचहरी चौक) जांजगीर में आयोजन किया गया। स्मृति समारोह में सांसद श्रीमती कमलेशा जांगड़े, विधायक जांजगीर श्री ब्यास करश्यप, विधायक अकलतरा श्री राघवेंद्र कुमार सिंह सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल जी प्रतिमा में दीप प्रज्वलन कर पुष्पांजलि अर्पित की। समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार, शहीद परिवार के परिजन एवं बैरिस्टर ठा. छेदीलाल के परिजनों को शाल-श्रीफ्ल भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही कृषक संगोष्ठी, विधिक संगोष्ठी,



सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आयोजित कृषक संगोष्ठी में किसानों को जैविक खेती, नवीन कृषि यंत्रों और तकनीकों की जानकारी दी गई। साथ ही नागरिकों को कानूनी अधिकारों की जानकारी विधिक संगोष्ठी के माध्यम से दी गई। मुख्य अतिथि श्रीमती कमलेशा जांगड़े ने बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल जी का देश की स्वतंत्रता में अतुलनीय योगदान है। उन्होंने कहा कि बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल जी का देश की स्वतंत्रता के लिए बहुत महत्वपूर्ण कार्य किए हैं, हम महान विभूति की स्मृति को याद कर रहे हैं। इससे आने वाली पीढ़ी को उनके विचार, किए गए कार्यों को जानने का अवसर मिलेगा। विधायक जांजगीर-चांपा श्री ब्यास करश्यप ने

कहा कि बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल जी का देश की स्वतंत्रता में अतुलनीय योगदान है। उन्होंने कहा कि बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल जी का देश की स्वतंत्रता के लिए बहुत महत्वपूर्ण कार्य किए हैं, हम महान विभूति की स्मृति को याद कर रहे हैं। इससे आने वाली पीढ़ी को उनके विचार, किए गए कार्यों को जानने का अवसर मिलेगा। विधायक जांजगीर-चांपा श्री ब्यास करश्यप ने

मोह, राग, द्वेष और विषय कषायों को छोड़ना ही उत्तम त्याग धर्म है

कोरबा। जो जीव संपूर्ण पदार्थों से मोह छोड़कर संसार देह और भोगों से उदासीन रूप परिणाम रखता है। उसका प्यायक धर्म है। त्याग कषायों का होता है। दान परिग्रह का होता है। उक्त विचार श्री दिगंबर जैन मंदिर में जैन समाज के चल रहे पर्युषण पर्व पर धर्म के दशलक्षणों में आठवां धर्म उच्चतम त्याग धर्म पर जयपुर से पधारे पंडित श्री रोहित शास्त्री जी ने व्यक्त किए उन्होंने बताया कि सामान्यतः तो दान को ही लोग त्याग समझते हैं। त्याग के नाम पर दान के ही गीत गाए जाते हैं। जबकि जिनागम में दान को भी त्याग कहा जाता है। दान देने की प्रेरणा भी भरपूर दी गई। दान की भी अपनी उपयोगिता है। और

महत्व भी है। लेकिन गहराई से विचार किया जाए, तो दान और त्याग में महान अंतर है। दो भिन्न-भिन्न चीज प्रतीत होती हैं। क्योंकि त्याग धर्म है, और दान पुण्य है। त्यागियों के पास रंच मात्र भी परिग्रह नहीं होता है। जबकि दानियों के पास ढेर सारा परिग्रह होता है। जैन मिलन समिति के उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन ने बताया। यद्यपि त्याग शब्द निवृत्ति सूचक है। जबकि त्याग में वाह और अश्वत्थ परिग्रह का त्याग होता है। तथापि त्याग धर्म में निज शुद्धात्मा का ग्रहण अर्थात् शुद्धोपयोग और शुद्ध परणति भी शामिल है। त्याग में द्रव्यों की त्याग कहा जाता है। दान देने द्रव्यों की प्रति होने वाले मोह-राग-द्वेष का होता है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत कलेक्टर और विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने किया पौधरोपण.....

पृथक छत्तीसगढ़/सक्ती

वन मण्डल जांजगीर चांम्पा के अंतर्गत वन परिक्षेत्र सक्ती में विगत दिवस एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत विशेष पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री अमृत विकास तोपनो, वनमण्डलाधिकारी श्रीमती प्रियंका पाण्डेय, एसडीएम सक्ती श्री अरुण सोम, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती विद्या सिदार, पर्यावरण सम्बंधित एनजीओ के सदस्य, महिला समूह सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पर्यावरण और पौधरोपण करने हेतु शपथ भी दिलाया गया। इस अवसर कलेक्टर श्री तोपनो द्वारा पौधरोपण करने और बचाव करने के लिए सभी लोगों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में पर्यावरण सम्बंधित प्रश्नोत्तर भी किया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम में पर्यावरण क्रिज गेम खेला गया।



जिसमें प्रथम स्थान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोरथा, द्वितीय स्थान सरस्वती शिशु मंदिर पोरथा ने प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को मोमेंटो, प्रशस्तिपत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम

वनमण्डलाधिकारी श्रीमती प्रियंका पाण्डेय के नेतृत्व में किया गया। जिसमें उप वनमण्डलाधिकारी श्री एच शर्मा द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वन परिक्षेत्र अधिकारी सक्ती एवं उनके स्टाफद्वारा किया गया।

आंगनबाड़ी केन्द्र मोहनमुण्डा में पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन..... पोषण माह 2024 अंतर्गत वजन त्यौहार का हो रहा आयोजन.....

पृथक छत्तीसगढ़/ सरायपाली

सरायपाली विकास खण्ड के अंतर्गत सेंकटर केदुवा के आंगनबाड़ी केन्द्र मोहनमुण्डा में महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर श्रीमती वर्षा अग्रवाल द्वारा पोषण माह के अंतर्गत पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में समुदाय से उपस्थित होने वाली गर्भवती महिलाएं, शिशुवाती महिलाओं व 0 से 2 वर्ष के बच्चों के माताओं को पोषण प्रदर्शन के माध्यम से संतुलित आहार के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को सुपरवाइजर द्वारा वजन त्यौहार के पूर्व वजन त्यौहार के



आयोजन व उनके महत्व को विस्तार से बताया तथा वृद्धि मापन विधि को सभी कार्यकर्ताओं को पुनः स्मरण कराया। इस अवसर पर

मोहनमुण्डा कार्यकर्ता श्रीमती अनुसुईया सिदार, व प्रभावती एवं अधिक संख्या में ग्राम की महिलाएं उपस्थित रही।

पृथक छत्तीसगढ़/सक्ती।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री अमृत विकास तोपनो के निर्देशन में पोषण माह 2024 अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सक्ती जिले में 12 सितंबर से 23 सितंबर 2024 के मध्य वजन त्यौहार का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत सक्ती जिले के 165 आंगनबाड़ी केन्द्रों में वजन त्यौहार का आयोजन किया गया। वजन त्यौहार में पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन समूह की महिलाएं मिलकर आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों का वजन और ऊंचाई लेकर उनके अर्थभावकों से डोर डोर मिलकर बच्चों के पोषण स्तर को



बेहतर रखने के बारे में बताया जा रहा है। इस साथ ही बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए खान-पान, स्वच्छता के उपाय की जानकारी,

हाथ धुलाई तथा रैली सहित विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है।

आबां केन्द्रों में वजन त्यौहार व बीएमआई जांच का किया गया आयोजन-कलेक्टर आकाश.....

- स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सब्जी, भांजी, अनाज व खाद्य पदार्थों के सेवन करने से होने वाले फायदे के बारे में बताया गया।

जांजगीर-चांपा। सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 अंतर्गत पोषण अभियान जनसमुदाय तक स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता संबंधी व्यापक प्रचार प्रसार एवं प्रभावी व्यवहार परिवर्तन हेतु जन आन्दोलन के रूप में प्रति वर्ष राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के निर्देशन में जिले में राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान एनिमिया, वृद्धि निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढाई भी, बेहतर प्रशासन व पारदर्शिता एवं कुशल सेवा वितरण के लिए प्रौद्योगिकी एवं सुशुद्ध पोषण थीम पर



विभिन्न गतिविधियों आयोजित की जा रही है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह 2024 अंतर्गत जिले में स्थानीय खाद्य पदार्थ का प्रदर्शन, पिता की भूमिका, छाता रैली एवं कलेक्टर अनुसार आंगनबाड़ी केन्द्रों में वजन त्यौहार व बीएमआई जांच का आयोजन किया गया। जिसमें स्वच्छता एवं पोषण संबंधी जानकारी देकर जन-जन को जागरूक किया गया। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सब्जी, भांजी, अनाज व खाद्य पदार्थों के सेवन करने से होने वाले फायदे के बारे में बताया गया। वजन त्यौहार में बच्चों के पिता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अपने बच्चों का वजन ऊंचाई मापन करवाकर पोषण स्तर जानकार साक्षात् थे। बच्चों के पोषण में मां के साथ-साथ पिता की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है यह संदेश दिया गया।